शनिवार
16 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

दिनभर कंफ्यूज रहना भी एक तरह की बीमारी!

पृष्ठ 5

प्रभास की अनुष्का शेट्टी के साथ फिर जमेगी जोड़ी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 219
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
– जयशंकर प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बद्रीनाथ धाम में गोलीबारी

❑स्थानीय लोगों में आक्रोश, थाने का घेराव

विशेष संवाददाता

चमोली। बीती देर रात बद्रीनाथ धाम में गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। गोली चलने से बाजार में अफरातफरी मच गई तथा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी। धाम में इससे पहले कभी ऐसी घटना सामने नहीं आई है। चार धाम यात्रा पर आने वाले यात्री अगर यहां असलाह लेकर पहुंचते हैं तो यह वास्तव में न सिर्फ आश्चर्यजनक है अपितु चिंता का विषय भी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां किसी स्थानीय व्यापारी व किसी श्रद्धालू के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी होने की बात सामने आई थी लेकिन बाद में कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि मामला किसी महिला के साथ छेड़छाड़ का था जिसका स्थानीय व्यापारी द्वारा विरोध करने पर आरोपी युवक ने फायरिंग कर दी। अचानक हुई इस घटना में भले ही किसी को गोली नहीं लगी हो लेकिन

❑व्यापारियों ने किया बाजार बंद, आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग

धाम में हुई फायरिंग की इस घटना के बाद से सनसनी फैल गई। सभी व्यापारी एकजुट हो गए और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। बताया जाता है की घटना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

धाम में हुई गोलीबारी की इस घटना को लेकर धाम के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। व्यापारियों व स्थानीय लोगों ने इस घटना के विरोध में आज थाने का घेराव किया और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, आरोपी रुड़की का रहने वाला है तथा उसका नाम दलीप बताया जा रहा है जो एक होटल व्यवसायी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने लोगों को डराने के लिए तमंचा निकाला था लेकिन गलती से गोली चल गई।

खैर इस गोली से न कोई घायल हुआ और न किसी की मौत हुई है लेकिन धाम में इस तरह की आपराधिक घटना से लोगों में भारी आक्रोश है और वह शासन प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उधर बद्री केदार समिति और तिरोहित तीर्थ पुरोहितों ने भी इस घटना पर हैरानी जताते हुए कहा कि पुलिस को इस बात के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए कि धामों में शस्त्र लेकर न कोई पहुंच सके। पुलिस अभी मामले की छानबीन में जुटी है।

पुलिसकर्मी की आंख फोड़कर फरार हुआ 50 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। पारदी गैंग के गुलेलबाज 50 हजार के ईनामी बदमाश को एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी द्वारा हरिद्वार में अपने साथियों को पुलिस से छुड़ाने के दौरान एक पुलिस कर्मी की गुलेल से आंख फोड़ दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि 'आप्रेशन प्रहार' के अनुपालन में एसटीएफ द्वारा निरन्तर शातिर फरार अपराधियों की गिरफ्तारी की जा रही है। उक्त क्रम मे जनपद हरिद्वार से वांछित चल रहे 50 हजार के ईनामी बदमाश विक्रम की सूचना एसटीएफ को प्राप्त होने पर एक टीम को नोएडा दादरी में भेजा गया जहां पर स्थानीय पुलिस की मदद से दबिश देकर एसटीएफ द्वारा उक्त अपराधी विक्रम पुत्र भूरा निवासी मेहताब पार्क आगरा को सीआरपीएफ कैंप के पास नोएडा दादरी रोड से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होने बताया कि वर्ष 2022 में जनपद हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रही नकबजनी की वारदातों के अनावरण किए जाने हेतु जनपद पुलिस

प्रयासरत थी जिसके लिये दिन रात में पुलिस द्वारा सक्रिय तौर गस्त व चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान 26 मई को रात लगभग 2.30 बजे रानीपुर थाने की चीता पुलिस के दो जवानों द्वारा एक संदिग्ध अपराधी को पकड़ कर पूछताछ की जा रही थी। इस दौरान उसके 3 अन्य साथियों द्वारा अचानक आकर उन चीता पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया गया। जिसमें से एक अपराधी द्वारा चीता पुलिस कर्मियों पर गुलेल से हमला कर एक जवान की आँख मे गंभीर चोट मारकर उसे घायल कर दिया तथा दूसरे के सीने पर चोट मार कर घायल कर फरार हो गये। जांच के दौरान सामने आया कि यह घटना पारदी गैंग के लोगों द्वारा की गयी है। जो इन दिनों हरिद्वार के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

मकान की छत गिरने से तीन बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आलमबाग की आनंदनगर रेलवे कालोनी में शनिवार सुबह एक पुराने मकान की छत गिरने से तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में जिन पांच लोगों की मौत हुई है, सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जिन पांच लोगों की मौत हुई है, उनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों के नाम सतीश चंद्र (40 वर्ष), सरोजनी देवी (35 वर्ष), हर्षित (13 वर्ष), हर्षिता (10 वर्ष) और अंश (5 वर्ष) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सतीश चंद्र की मां रेलवे में चतुर्थ श्रेणी की कर्मचारी थीं। उन्हें ही यह मकान अलॉट हुआ था। वहीं, सतीश संविदा पर नौकरी कर रहे थे और अपने परिवार के साथ इसी मकान में रहते थे। मकान काफी पुराना था और पूरी तरह से जर्जर हो चुका था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां कई मकान जर्जर हाल में हैं। इसको लेकर रेलवे ने यहां लोगों को मकान खाली करने का निर्देश भी दिया था। कई लोगों ने मकान खाली भी कर दिया था। सतीश को भी मकान खाली करने का नोटिस मिला था, बावजूद इसके वह अपने परिवार के साथ रह रहे थे।

बारामूला में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकी ढेर किये

जम्मू। अनंतनाग के बाद अब बारामुला में आतंकवादियों और जवानों के बीच मुठभेड़ जारी है। इसी दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आर्तकियों को ढेर कर दिया है।

कश्मीर पुलिस ने शनिवार की सुबह जानकारी दी है कि बारामूला जिले के उरी, हथलंगा के अग्रिम इलाके में आतंकवादियों और सेना और बारामूला पुलिस के बीच मुठभेड़ जारी है। भारतीय सेना ने बारामूला एनकाउंटर पर कहा कि 3 आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की और सतर्क सैनिकों ने नाकाम कर दिया। 3 आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनके शव बरामद कर लिए गए। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने कहा है कि अनंतनाग के कोकरनाग के गडोले के वन क्षेत्र में

तलाशी अभियान जारी है। अनंतनाग में 4 दिनों मुठभेड़ हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बारामुला में यह मुठभेड़ अग्रिम गांव हथलंगा के बाहरी छोर पर चल रही है।

आर्तकियों ने भागने की कोशिश की थी इसलिए उन्होंने फायरिंग की। वहीं अभी भी दो आर्तकियों के छिपे होने की सूचना है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आतंकी हाल ही में एल ओ सी पर से घुसपैठ कर इस तरफ आए हैं या पहले से ही इस इलाके में मौजूद थे। यह मुठभेड़ अग्रिम गांव हथलंगा के बाहरी छोर पर हो रही है। यहां घने जंगल, नाले और कुछ खाली घर भी हैं।

बता दें कि अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच चौथे दिन भी मुठभेड़ जारी है। सेना, पुलिस और सीआरपीएफ व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान पूरी सतर्कता के साथ मैदान में डटे हुए हैं। घने जंगल और पहाड़ी के बीच के संदिग्ध ठिकाने पर आर्तकियों की खोजबीन के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है। कुछ देर रुक-रुककर दोनों ओर से गोलीबारी भी हो रही है। बताया जा रहा है कि आतंकवादी एक पहाड़ी की चोटी पर एक गुफा में छिपे हुए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

कोरोना के बाद निपाह

केरल में निपाह वायरस के संक्रमण के छह मामले सामने आने पर अगर आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) द्वारा चिंता जताई गई है और इसे कोरोना से भी भी कई गुना अधिक घातक बताया गया है तो इसे बेवजह नहीं कहा जा सकता है। केरल में अभी तक निपाह संक्रमण के छह मरीज सामने आए हैं जिनमें से दो की मौत हो चुकी है जबकि चार का इलाज चल रहा है। आईसीएमआर के अनुसार इस संक्रमण की दो प्रमुख बातें यह है कि इस संक्रमण से होने वाली मृत्यु दर कोरोना से अत्यधिक ज्यादा है इस संक्रमण में मृत्यु दर 40 से 70 फीसदी तक बताई जा रही है जबकि कोरोना के तमाम खतरनाक वेरिएंट से मृत्यु दर सिर्फ 2 से 3 फीसदी थी इससे यह सहज समझा जा सकता है कि अगर निपाह संक्रमण के शिकार 100 लोग भी होते हैं तो उनमें से आधे से अधिक लोगों की मौत सुनिश्चित है। केरल में निपाह के जो संक्रमित 6 मरीज मिले हैं उन्हें एक ही व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमण हुआ है। इसका सीधा अर्थ है कि एक निपाह संक्रमित बहुत सारे लोगों को संक्रमित कर सकता है। भले ही अभी निपाह का दायरा केवल केरल तक सीमित है लेकिन इस संक्रमण का दूसरे राज्यों में पहुंचने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। पड़ोसी कर्नाटक राज्य की सरकार द्वारा केरल में मिले निपाह संक्रमितों के मद्देनजर अपने यहां सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए गए। संक्रमण रोक भले ही वह कोई भी हो प्रारंभिक दौर में उसके बारे में आम आदमी को कोई भी खास जानकारी नहीं होती है न तो संक्रमण के लक्षणो के बारे में आम आदमी को कुछ पता होता है और न उससे बचाव का क्या प्रभावी उपाय हो सकता है इसके बारे में कोई खास जानकारी होती है। कोरोना काल में यही देखा गया था कि कई लोगों और देशों द्वारा इसे अधिक गंभीरता से नहीं लिया गया था जिसके कारण विश्व के तमाम देशों तक यह संक्रमण तेजी से फैल गया था।। ऐसी स्थिति में यह जरूरी है कि चिकित्सा विभाग और आईसीएमआर द्वारा संक्रमण निपाह के बारे में आम आदमी को जागरूक बनाया जाना चाहिए। जैसे कोरोना काल में उसके लक्षणों और एहतियात के तौर पर बार-बार हाथ धोने और मांस्क पहनने तथा दो गज की दूरी बनाए रखने और भीड़भाड़ वाले स्थानो पर न जाने की सलाह दी गई थी। क्योंकि आम आदमी को जब तक किसी विषय या समस्या की जानकारी ही नहीं होगी तो वह अपना कोई बचाव नहीं कर सकता है इसमें कोई दो राय नहीं है कि संक्रामक रोगों में इलाज से ज्यादा प्रभावी होते हैं बचाव के उपाय। प्रारंभिक दौर में किसी भी संक्रामक रोग की कोई दवा या टीका भी नहीं होता है जैसा कि कोरोना काल में भी देखा गया था। चिकित्सा विज्ञान किसी भी संक्रामक रोग से निपटने के लिए सबसे पहले ह्यूमैनिटी बढ़ाने वाली दवाओ और एंटीबॉडी पर जाता है। निपाह के मरीजों को मोनोक्लोनल नाम की एंटीबॉडी की 10 डोज भेजी गई है क्योंकि अभी इनकी उपलब्धता इतनी ही थी 20 डोज और मंगाई गई है यह दवा कितनी कारगर रहती है प्रयोग के बाद ही पता चलेगा लेकिन कोरोना की तरह अगर निपाह को लेकर कोई भी लापरवाही बरती जाती है तो वह खतरनाक साबित हो सकती है।

मुख्यमंत्री धामी को जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उनके जन्म दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी मुख्यमंत्रियों, केन्द्रीय मंत्रियो व वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनकी दीर्घायु की कामना की।

आज यहां उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह सहित तमाम केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

मुख्यमंत्री धामी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप युवाओं की आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्तराखंड के विकास के लिए सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री की ओर से मिली शुभकामनाओं के लिए उनका आभार प्रकट करते हुए कहा कि

❑गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों व भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दी शुभकामनाएं

आपके आशीष एवं स्नेहपूर्ण शुभकामनाओं के लिए हृदय की गहराइयों से आभार। गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि देवभूमि के विकास और जनता के कल्याण के लिए आप ऐसे ही निरंतर समर्पित भाव से कार्य करते रहें। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूँ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्मठ राजनेता, कुशल वक्ता, देवभूमि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! बाबा श्री केदारनाथ जी की कृपा आप पर बनी रहे। इसी तरह से वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, मोदी सरकार में जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा, आसाम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा, केंद्र सरकार में राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल विजय कुमार सिंह, भानु प्रताप सिंह वर्मा, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सभी मुख्यमंत्रियों व केन्द्रीय मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दी।

बैनर फटने पर युवक पर किया जानलेवा हमला

देहरादून (सं)। बैनर फटने पर युवक पर जानलेवा हमला करने पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोहा निवासी देवेन्द्र सिंह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका 11 सितम्बर 2023 को समय लगभग शाम छह बजे उसका पुत्र भास्कर पाल रायपुर स्टेडियम की ओर जा रहा था। जहां पहले से ही शगुन, हर्षित, देव, अमन अन्य लोग मौजूद थे। वहां पर रोड किनारे कालेज का बैनर लगा हुआ था जो कि गलती से फट गया था। जिस पर मांफी मांग ली थी। लेकिन लड़को ने इस वात को लेकर उसके पुत्र भास्कर पाल के साथ मार पिटाई की जिसमें भास्कर को गम्भीर चोटे आई है व उसके सर पर 30 से 35 टांके आये है और उसकी नाक की हड्डी भी टूट गयी है।

पेंशनर्स की मांगों को लेकर संयुक्त नागरिक संगठन ने सीएम धामी को पत्र लिखा

देहरादून (कासं)। राज्य के डेढ़ लाख पेंशनर्स के हित में ओपीडी चिकित्सा को कैशलेस करने तथा राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना में पेंशनर्स को शामिल होने का पुन: मौका दिए जाने की मांग करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से मुख्यमंत्री धामी को पत्र लिखा गया है।

पत्र में बताया गया है की संदर्भित योजना में पेंशनर्स को आईपीडी की कैशलेस सुविधा दी गई है जिसका भुगतान पैशनरस द्वारा अपनी पैशन मे से मासिक अनुदान के रूप में प्राधिकरण को जमा कराई गई राशी में से ही होता है। इसमें राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार नही है।प्राधिकरण के सभी खर्च भी इसी राशि में से ही पूरे होते हैं। राज्य के अधिकांश पेंशनर्स जो वृद्धावस्था में होने वाली साधारण बीमारियों से ग्रस्त होते हैं उन्हें निकटस्थ ओपीडी मे नियमित जांच पड़ताल, खून की जांच, एक्स-रे अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन के साथ रोगों की रोकथाम हेतु दवाइयां की आवश्यकता होती है। इनमे ओंकरोलॉजी,कार्डियोलॉजी,गैस्ट्रोएस्ट्रोलॉजी के विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श कर उपचार लेना भी होता है। सेवानिवृत्त पैशनर सुशील त्यागी का कहना है की मुख्यमंत्री की हैसियत से धामी इस पर स्वतंत्र निर्णय लेने हेतु भी अधिकृत हैं। प्राधिकरण की योजना में शामिल होने से रह गये तीस हजार पेंशनर्स को भी पुन: योजना में शामिल होने का अवसर देने की मांग भी अन्त मे की गयी है। प्रदान करने का कष्ट करें पत्र की प्रतिलिपि मुख्यसचिव,सचिव स्वास्थ्य,सचिव स्वास्थ्य,मुख्य कार्यकारी अधिकारी,राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण उत्तराखंड को भी भेजी गयी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम के जन्मदिवस पर की पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भटट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्म दिवस पर मूलनारायण मन्दिर में हवन का पूजा अर्चना कर उनकी दीर्घायु की कामना की। आज यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस के अवसर पर सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के अन्तिम ग्रामसभा एराडी के ग्राम मन्दिर मूलनारायण मन्दिर में हवन कर पूजा अर्चना कर मुख्यमंत्री की दीर्घायु की कामना की। ग्राम पंचायत एराडी की प्रधान तथा ग्रामीण बहिनों द्वारा इस अवसर पर भजन कीर्तन किया गया।

विश्वा: पृतना अभिभूतरं नरं सजूस्ततक्षुरिन्द्रं जजनुश्च राजसे।
क्रत्वा वरिष्ठं वर आमुरिमुतोग्रमोजिष्ठं तवसं तरस्विनम्॥

(ऋग्वेद ८-९७-१०)

सभी मनुष्यों को मिलकर ऐसे शासक को चुनना चाहिए जो देश हित में कार्य करें। जो सभी संघर्षों में विजयी हो। जो श्रेष्ठ कर्म करने वाला हो और पाप विनाशक हो। जो साहसी, बलशाली हो और जिसमें सहनशक्ति हो और जो देश की उन्नति के लिए कार्य करें।

आंगनवाडी केन्द्र के बच्चों संग मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिवस

संवाददाता

देहरादून। भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जन्म दिवस आंगनवाडी केन्द्र के बच्चों के साथ मनाते हुए वहां पर केक काट बच्चों को मिष्ठान व फल बांटे।

आज यहां उत्तराखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी क जन्म दिवस आंगनबाड़ी केंद्र प्रकाश नगर गोविंदगढ़ में आंगनबाड़ी बच्चों के साथ मनाते हुए जीएमएस मंडल कैंट विधानसभा के उपाध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने मुख्यमंत्री का जन्म दिन गरीब बच्चों के साथ मनाने पहुंचे तो बच्चे खुशी के मारे झूम उठे बच्चों को केक के साथ मिठाई और फल भी बांटे गए। इस मौके पर कैंट विधायक श्रीमती सविता कपूर ने बताया राष्ट्रीय पोषण मिशन के प्रति आम जनता को अधिक जागरूक करने और आंगनवाड़ी केंद्रों को सबलता प्रदान करने के लिए

कैंट विधायक सविता कपूर शनिवार को मुख्यमंत्री का जन्मदिन गोविंदगढ़ प्रकाश नगर में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों के साथ केक काटकर मनाया। इस दौरान बच्चों को मिठाई और फल बांटे गये। बच्चों के चेहरों में खुशी झलक रही थी। भारतीय जनता पार्टी जीएमएस मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे ने इस अभिनव पहल की तारीफ कारी और सभी लोगों से अपील करें की सभी लोग अपने जन्मदिन और बच्चों के जन्मदिन को इसी प्रकार ऐसे बच्चों के साथ मनाना चाहिए। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष बबलू बंसल प्रकाश नगर मोहल्ला कल्याण समिति के संरक्षक एन के गुप्ता, अध्यक्ष प्रमोद दत्त सचिव शंकर पांडे, सुरेश कुमार,विवेक प्रजापति,पूजा यादव,सूरज बिष्ट,बी आर सिंह, प्रकाश नगर केंद्र की कार्यकर्ता मीना वर्मा, ममता शर्मा, अंजू धीमान, ज्योति, अंजली वर्मा, अलका आदि मौजूद थे।

दो सीढ़ियां चढ़कर हांफने लगते हैं तो जरूर करें यह काम

हम सभी के साथ ऐसा कभी ना कभी जरूर होता है, जब दूसरे फ्लोर तक सीढ़ियों से जाने के बाद ही हमारे दिल की धड़कनें बढ़ जाती हैं और हमारी सांस फूलने लगती है। इस तरह की समस्या से आमतौर पर महिला और पुरुष दोनों ही गुजरते हैं लेकिन महिलाओं में यह समस्या अपेक्षाकृत अधिक देखी जाती है...

सीढ़ियां चढ़ने पर क्यों हांफने लगते हैं?

-सीढ़ियां चढ़ते समय थकान होना बहुत सामान्य घटना है अगर आपको तीसरे या चौथे फ्लोर पर जाने के बाद इस तरह की समस्या का अनुभव हो। लेकिन यह भी बहुत ही सीमित मात्रा में होना चाहिए। क्योंकि चौथे फ्लोर तक जाना या पांचवे फ्लोर तक जाना और बहुत अधिक थकान का अनुभव ना करना, एक स्वस्थ शरीर की निशानी है। फिटनेस की बात करें तब भी सीढ़ियां चढ़ने और उतरने से हमारे शरीर की कैलरी खर्च होती हैं और फैट पिघलता है। इस कारण हमें अधिक ऊर्जा लगानी होती है और हमें थकान का अनुभव होता है। लेकिन अगर दो फ्लोर चढ़कर ही आपको थकान होने लगती है तो यह अच्छे संकेत नहीं हैं। यह आपके शरीर में छिपी कमजोरी को दिखाती है।

सांस लेने में दिक्कत होना

-कोई बहुत मेहनत का काम करने के बाद सांस फूलना एक सामान्य घटना है लेकिन अगर दो फ्लोर चढ़कर ही आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगती है तो इसका अर्थ है कि आपका हृदय पूरी तरह स्वस्थ नहीं है। इसलिए अपने कमजोर होते हृदय को बीमार होने से बचाने के लिए अपनी सेहत का ध्यान रखें।

-क्योंकि यह स्थिति शरीर में चुपके से पनप रही बीमारियों का प्रारंभिक संकेत हो सकती है। कई बार यह समस्या इसीलिए भी होती है कि हम बहुत अधिक आलस्य युक्त जीवन (लेजी लाइफस्टाइल) जी रहे हैं। इस कारण भी दो सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलने की दिक्कत होती है।

आपको जो करना है...

-कुछ लोगों को सीढ़ियां चढ़ने के बाद सिर भारी होना, सिर घूमना या आंखों के आगे धुंध आना जैसी समस्याएं होती हैं। अगर आपके साथ भी इस तरह की समस्या हो रही है तो आपको डॉक्टर से तुरंत सलाह लेनी चाहिए। क्योंकि यह स्थिति शरीर में किसी गंभीर बीमारी का संकेत है।

-साथ ही अपनी डायट का पूरा ध्यान रखें। इस बात का पता लगाएं कि क्या आपके भोजन से आपको पूरा पोषण मिल रहा है? क्योंकि जब शरीर को पूरा पोषण नहीं मिलता है तब शरीर में कमजोरी रहती है और कई रोग पनपने लगते हैं, जिनके कारण सांस फूलना और थकान जैसी समस्या होती है। (आरएनएस)

शिशु के कान का मैल कैसे साफ करें

शिशु के कान साफ रखना बहुत जरूरी है। आप शिशु के कान के बाहरी हिस्से और आसपास की त्वचा को साफ कर सकते हैं। इसके लिए सिर्फ एक साफ कपड़े या रूई के फाहे और थोड़े गुनगुने पानी की जरूरत होती है।

शिशु के कान के अंदर रूई का फाहा या अन्य कोई भी चीज डालनी सही नहीं है। अगर आपको बच्चे के कान अंदर ईयर वैक्स यानी कान का मैल दिख रहा है तो इसे कई सुरक्षित तरीकों से आप साफ कर सकती हैं।

आइए जानते हैं कि बच्चे के कान को कैसे साफ किया जा सकता है?

कान साफ करने का तरीका

आप रोज शिशु का कान साफ कर सकती हैं। इसके लिए गुनगुने पानी में रूई का एक फाहा भिगोएं और उससे हल्के हाथों से बच्चे के कान को साफ करें। आप साफ सूती कपड़े का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस कपड़े से बच्चे के कान को पीछे से और कान के आसपास का हिस्सा भी साफ करें।

रूई के फाहे का कोई भी हिस्सा बच्चे के कान के अंदर नहीं छूटना चाहिए। इसकी वजह से कान की नलिका को नुकसान पहुंच सकता है।

ईयर ड्रॉप्स

अगर आप ईयर वैक्स हटाने के लिए ईयर ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो नीचे बताए गए स्टेप्स फॉलो करें =

*बच्चे को एक करवटे लिटा दें। अब कान के लोब को ऊपर नीचे खींचे ताकि आपको कान की कैनाल दिख सके।

*कान में ईयर ड्रॉप्स की पांच बूंदें डालें। (डॉक्टर के बताए अनुसार)

*ड्रॉप्स डालने के बाद लगभग दस मिनट तक बच्चे को इसी पोजीशन में रखें।

*हमेशा डॉक्टर के परामर्श पर ही ईयर ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना चाहिए।

ध्यान रखें ये बातें

बच्चों और नवजात शिशु पर रूई का फाहा इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं होगा। वर्ष 199० से 2०1० में अमेरिका में कान साफ करने की वजह से कई बच्चों को कान में चोट लगने के कारण अस्पताल ले जाना पड़ाथा। दो लाख साठ हजार से भी ज्यादा बच्चे प्रभावित हुए थे।

इनमें से अधिकतर चोट किसी चीज के कान में फंसने के कारण लगी थी। बच्चे का कान साफ करने का सबसे सुरक्षित तरीका यही है कि कान में वैक्स जमने या डिस्चार्ज होने पर गुनगुने पानी में साफ कपड़ा डुबोकर क्लीनिंग करना है।

बहुत कम ही ऐसा होता है कि नवजात शिशु के कान में वैक्स जम जाए। आमतौर पर कान की नलिका में सही मात्रा में वैक्स बनती है, जितनी की जरूरत होती है।(आरएनएस)

औषधि के रूप में भी लाभकारी होता है सेब का सिरका

सेब का सिरका यानी ऐपल सीडर विनेगर का उपयोग सदियों से एक औषधि के रूप में होता आ रहा है। साथ ही रसोई में कई तरह के व्यंजन बनाने में भी इसका उपयोग होता है। स्वस्थ जीवन और छरहरी काया के लिए आप इसका उपयोग अपनी डेली डायट में कर सकते हैं। यहां जानें, इसके लाभ और उपयोग करने के तरीकों के बारे में...

पोटैशियम और अमीनो एसिड का सोर्स

-सेब के सिरके में पोटैशियम और अमीनो भरपूर मात्रा में होता है। यह सिरका हमारी सेहत के लिए ऐंटिऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है और हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

बॉडी को डिटॉक्स करे

-ऐपल सीडर विनेगर एक बहुत अच्छा बॉडी डिटॉक्सर है। यह शरीर के सभी गैरजरूरी और विषैले तत्वों को शरीर से बाहर निकालने का काम करता है।

बैक्टीरिया नहीं पनपने देता

-अपने दैनिक जीवन में हम जो भी चीजें खाते हैं और पीते हैं, उनके साथ अनजाने में कई हानिकारक बैक्टीरिया भी हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जो हमें आखों से दिखाई नहीं देते हैं।

- ये बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश करके कई तरह के रोग फैलाते हैं। लेकिन सेब का सिरका इन सभी बैक्टीरिया को खत्म कर देता है।

चर्बी को पिघला दे

-ऐपल सीडर विनेगर सबसे पहले पेट पर जमा चर्बी पर काम करता है। यह प्राकृतिक तरीके से कमर का साइज कम करने का काम करता है। क्योंकि यह शरीर के अंदर जमा फैट को धीरे-धीरे करके पिघला देता है और शरीर से बाहर निकालता रहता है।

पेट को भरा हुआ रखे

-ऐपल सीडर विनेगर हमारे पाचनतंत्र को ठीक करने में सहायक है। साथ ही यह हमारे द्वारा खाए गए भोजन को धीरे-धीरे लेकिन नियंत्रित गति से पचाता है। इस कारण हमारा पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है।

कैसे उपयोग करें सेब का सिरका?

-सेब का सिरका कभी भी सीधे उपयोग में नहीं लाना चाहिए। सबसे पहले इसे किसी अन्य तरल पदार्थ के साथ मिलाकर डायल्यूट करें उसके बाद इसका उपयोग करें।

-सैलेड बनाते समय इसका उपयोग करने के लिए सबसे पहले इसे ऑलिव ऑइल के साथ डायल्यूट करें और फिर सलाद को इससे गार्निश करें। वजन घटाने के लिए एक चम्मच सेब का सिरका एक गिलास पानी में मिलाकर रोज सुबह खाली पेट पिएं। यह आपको वजन कम करने में सहयोग करेगा। लेकिन इसकी मात्रा और ना बढ़ाएं। (आरएनएस)

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है? यहां जानें...

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

-यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब...

यहां समझे विरोधी बातों का अर्थ

-एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

-लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफरूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी।

अगर नए जूतों से पड़ गए हैं छाले तो,जानें तुरंत कैसे मिलेगा आराम

नए जूतों से होने वाली शू बाइट की समस्या लगभग हर किसी को कभी न कभी होती है। जब हम नए जूते पहनते हैं, तो उनका कठोर और खुरदरा सोल हमारी नाजुक पैर की त्वचा को छिल देता है। इससे पैरों में लाल चकत्ते, दर्द, सूजन और कभी-कभी छोटे छोटे घाव भी हो जाते है। इसे शू बाइट कहा जाता है। जिससे चलने-फिरने में दिक्कत होने लगती है।

शू बाइट से बचने के लिए हमें नए जूतों का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। प्रतिदिन केवल 1-2 घंटे ही नए जूते पहनें ताकि वे धीरे-धीरे आपके पैरों के आकार के अनुसार ढल सकें। इतने समय तक जूते पहनने से उनका सोल भी नरम पडने लगेगा। इसके अलावा मोजे पहनकर, जूतों के अंदर बेबी पाउडर या टैल्कम पाउडर डालकर भी शू बाइट से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं अगर शू बाइट हो जाए तो क्या करें।।।

बर्फ लगाएं

नए जूतों से होने वाली शू बाइट की समस्या आम है, लेकिन इसका इलाज घर पर ही संभव है। जहां शू बाइट की परेशानी हुई है, उस जगह पर बर्फ लगाने से बहुत राहत मिलती है। बर्फ की ठंडक दर्द और सूजन को कम करने में मदद करती है। शू बाइट वाली जगह पर बर्फ के टुकड़े लगाएं या फिर बर्फ की पौच बनाकर रखें। इसे 1०-15 मिनट तक लगाए रखने से लाभ होगा।।दिन में 2-3 बार ऐसा करने से तेजी से राहत मिलेगी। बर्फ के अलावा आइस क्यूब्स को कपड़े में लपेटकर भी ठंडा कर सकते हैं।

नमक पानी इस्तेमाल करें

नए जूतों से शू बाइट होने पर नमक पानी का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद साबित होता है। नमक में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपको राहत दे सकता है। शू बाइट वाली जगह पर नमक पानी की सिकाई करने से दर्द और सूजन में कमी आती है। इसके लिए गुनगुने पानी में एक चम्मच नमक मिलाकर उस जगह पर सिकाई करें। नमक में सोडियम क्लोराइड होता है जो बैक्टीरिया को मारता है और सूजन को कम करता है। इसके अलावा नमक पानी में ओस्मोसिस के कारण पानी निकलने लगता है जिससे सूजन भी कम हो जाती है। रोज दो-तीन बार नमक पानी से सिकाई करने से शू बाइट में लगातार राहत महसूस होगी। नमक एक सस्ता और आसानी से उपलब्ध घरेलू नुस्खा है जो शू बाइट के इलाज में बहुत प्रभावी है।

एलोवेरा जेल

शू बाइट की समस्या से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो शू बाइट के दर्द, सूजन और खुजली को कम करने में मदद करते हैं। शू बाइट वाली जगह पर एलोवेरा जेल की एक पतली लेयर लगाएं और हल्के हाथों से मलें। यह त्वचा को ठंडक देगाऔर दर्द को कम करेंगा। रोजाना 2 से3 बार ऐसा करने से शू बाइट जल्द ठीक हो जाएगी। (आरएनएस)

बहुत तेजी से वजन कम करना चाहते हैं तो इन खतरों को भी जान लीजिए

आज के जमाने से वेट लॉस सबसे पॉपुलर शब्द बन गया है। फिट रहने और बैली फैट से छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर वेट लॉस के नए नए तरीके खोजते रहते हैं। तरह तरह की डाइट, जिमिंग और एक्सरसाइज के जरिए लोग तेजी से वजन कम करके स्लिम दिखना चाहते हैं। हालांकि वजन कम करना अच्छी बात है लेकिन तेजी से वजन करना आपकी सेहत के लिए ही नुकसानदेय साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि हर कोई चाहता है कि चंद दिनों में ही वजन कम हो जाए, बाजार में भी तेजी से वजन कम करने के दावे करने वाले बहुत सारे प्रोडक्ट हैं। लेकिन ये फायदे की बजाय नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

चलिए जानते हैं कि तेजी से वजन कम करने पर आपकी हेल्थ पर क्या असर हो सकता है और साथ ही ये भी जानिए कि वजन कम करने का सही फार्मूला क्या है।

तेजी से वजन कम करने की जद्दोजहद में लोग खाना पीना तक छोड़ देते हैं। जब लोग तेजी से वजन कम करने का कोशिश करते हैं तो पोषण की कमी के चलते शरीर में पानी की कमी बहुत तेजी से होती है। पानी की कमी ज्यादा होने पर मांसपेशियों को नुकसान पहुंचता है और आप जल्द ही बीमार पड़ सकते हैं। इसके अलावा तेजी से वजन कम करने पर मेटाबॉलिज्म पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल रोज भोजन करने और पचाने की दर का मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। अगर तेजी से वजन कम करने के चक्कर में आप कम कैलोरी वाला खाना खाएंगे तो मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाएगा और आपके हार्मोन्स पर भी बुरा असर पड़ेगा। तेजी से वजन कम करने का तीसरा बुरा असर पथरी के रूप में होता है। इससे पित्ताशय में पथरी होने का खतरा बढ़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि तेजी से वजन कम करने की बजाय एक सही गति या फिर धीमी गति से वजन कम करना शरीर के लिए फायदेमंद साबित होता है। एक हफ्ते में 400 ग्राम से एक किलो वजन घटाना काफी होता है। यानी आपकी डाइट, एक्सरसाइज और वेट लॉस के अन्य प्रयास इस तरह होने चाहिए कि एक सप्ताह में आप 400 ग्राम से एक किलो वजन घटा सकें। इससे ज्यादा वजन घटाने की कोशिशें आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है।

बच्चों को इस प्रकार सिखाएं काम-काज

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे। बच्चों को टास्क दें: कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें : यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं: बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम : नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिनभर कंफ्यूज रहना भी एक तरह की बीमारी!

बहुत से लोगों को आपने देखा होगा, जो दिनभर कंफ्यूज रहते हैं। किसी फैसले को लेने में उन्हें काफी वक्त लग जाता है। ऐसे लोग एक बड़ी समस्या की चपेट में हो सकते हैं, जिसे एडल्ट अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी (एडीएचडी) कहते हैं। कई स्टडीज के मुताबिक, भारत में करीब 1.6 प्रतिशत से 12.2 प्रतिशत तक बच्चों में एडीएचडी की प्रॉब्लमस पाई जाती है। आइए जानते हैं क्या है ये समस्या और यह कितनी गंभीर हो सकती है।

एडीएचडी क्या है?

अटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर एक तरह से मेंटल डिसऑर्डर है। इसकी चपेट में आने पर कई समस्याएं लगातार देखने को मिलती हैं। यह एक तरह का न्यूरोडेवलपमेंटल डिसॉर्डर है, जो ब्रेन और नर्वस सिस्टम के डेवलपमेंट को प्रभावित करता है। इसकी वजह से ब्रेन के अलग-अलग हिस्से एक-दूसरे से संपर्क में नहीं आ पाते और उनके दिमाग की सम्पर्क नहीं कर पाते है, जिसके चलते दिमाग का काम प्रभावित होता है।

एडल्ट डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर क्यों कहते हैं

इस डिसऑर्डर की परेशानी वाले लोग एक जगह ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते और ना ही एक जगह बैठे रह पाते हैं। ज्यादातर यह परेशानी बच्चों में देखने को मिलती है। हालांकि, कभी-कभी एडल्ट में भी यह समस्या देखी जाती है, जिसे एडल्ट एडीएचडी (एडल्ट एडीएचडी) कहा जाता है। एडीएचडी की वजह से बच्चों को कुछ भी सिखाना काफी मुश्किल होता है।

एडीएचडी के क्या लक्षण होते हैं

* किसी चीज पर फोकस करने में परेशानी
* गुस्सा, चिड़चिड़ापन, बेचौनी
* गर्म मिजाज होना
* किसी भी चीज की समस्या को पहले देखना
* टाइम मैनेजमेंट सही न होना
* मल्टीटास्किंग
* किसी भी प्लानिंग में परेशानी
* बार-बार मूड का बदलना
* किसी काम को पूरा करने को ही भूल जाना
* आसानी से विचलित हो जाना
* बैठने में समस्या होना

एडीएचडी के क्या कारण होते हैं

जेनेटिक यानी अनुवांशिक

खानपान के सही न होने से

धूम्रपान, एल्कोहॉल का ज्यादा सेवन

एडीएचडी का इलाज क्या है

* टॉकिंग थेरेपी
* रेगुलर एक्टिविटी पर फोकस करें
* डेली रूटीन की लिस्ट पहले ही बना लें।
* बच्चे की पसंद को समझें
* क्रिएटिव काम कराएं।
* काउंसलिंग कराएं।

शब्द सामर्थ्य -042

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

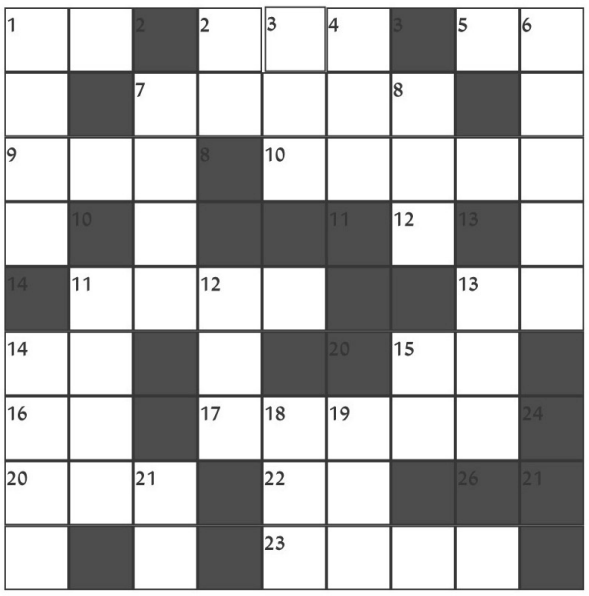

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 41 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई रिलीज

करण जौहर के निर्देशन में बनी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को टिकट खिडकी पर दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला था, जिसके चलते फिल्म दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने में सफल रही, वहीं भारत में फिल्म ने 150.75 करोड़ रुपये कमाए।इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आई थी। पिछले दिनों रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे दी है।

रॉकी और रानी... अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर उपलब्ध है। प्राइम वीडियो पर 349 रुपये में यह फिल्म आप रेंट पर ले सकते हैं।फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। इसकी कहानी इशिता मोइत्रा, शशांक खेतान और सुमित रॉय ने लिखी थी, जबकि हीरू यश जौहर और अपूर्व मेहता फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत में बनी है।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के प्रोडक्शन का काम तो करण ने संभाला ही, इसी के साथ उन्होंने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उठाई। करण ने इस फिल्म के जरिए 7 साल बाद निर्देशन में वापसी की। इससे पहले 2016 में रिलीज हुई फिल्म ऐ दिल है मुश्किल के लिए करण निर्देशक की कुर्सी पर बैठे थे। फिल्म रिलीज होने के बाद करण के निर्देशन की चारों ओर खूब तारीफ हुई। यह फिल्म बीती 28 जुलाई को रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया है।

रॉकी और रानी... को प्रतिष्ठित बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2023 के ओपन सिनेमा श्रेणी के तहत प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।धर्मा प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर एक दिल वाला इमोजी साझा कर लिखा, आपका प्यार है तो सब है।इसके साथ जिन 4 फिल्मों को जगह मिली है, उनमें फ्रांस से डॉगमैन और द एनिमल किंगडम, जापान से रिवॉल्वर लिली और हांगकांग से वन मोर चांस शामिल है।

यह महोत्सव 4 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक चलेगा। इस साल यहां कुल 269 फिल्में दिखाई जाएंगी। बुसान फिल्म महोत्सव का आयोजन हर साल दक्षिण कोरिया में होता है। यह एशिया के बड़े फिल्म महोत्सवों में से एक है। इसकी शुरुआत 1996 में हुई थी। (आरएनएस)

म्यूजिक स्कूल फिल्म ने अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रिया सरन की म्यूजिक स्कूल को इसी साल 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म ने टिकट खिड?ी पर महज 10 लाख रुपये का कारोबार किया था। अब म्यूजिक स्कूल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

म्यूजिक स्कूल में श्रिया की जोड़ी अभिनेता शरमन जोशी के साथ बनी थी।फिल्म में श्रिया और शरमन के अलावा सुहासिनी मुले, प्रकाश राज, बेंजामिन गिलानी, श्रीकांत अयंगर, मोना अंबेगांवकर और अन्य कलाकार नजर आए थे।म्यूजिक स्कूल का निर्देशन जाने-माने निर्देशक पापा राव बियाला ने किया था, फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी थी। फिल्म का निर्माता भी पापा राव बियाला ही थे। म्यूजिक स्कूल तमिल और हिंदी भाषाओं में रिलीज हुई थी।

फिल्म म्यूजिक स्कूल की शुरुआत बच्चो के स्कूल से होती है। स्कूल के बच्चे पढ़ाई के दबाव की वजह से संगीत जैसे विषय को वक्त की बर्बादी समझते हैं। फिल्म में श्रिया सरन ने एक म्यूजिक टीचर का किरदार निभाया है, जो बच्चों को म्यूजिक सीखने के लिए प्रेरित करती है। उसकी लाख कोशिशों के बावजूद बच्चे म्यूजिक क्लास में भाग लेने के लिए राजी नहीं होते। शरमन जोशी उसी स्कूल में बच्चों को एक्टिंग सिखाते हैं।

शरमन जोशी की सलाह पर श्रिया सरन अपनी सोसाइटी में म्यूजिक स्कूल खोलती है। म्यूजिक स्कूल खुलने के बाद बच्चे स्कूल जाते हैं कि नहीं जाते हैं, इसी के इर्द गिर्द पूरी फिल्म की कहानी घूमती है।(आरएनएस)

प्रभास की अनुष्का शेट्टी के साथ फिर जमेगी जोड़ी

प्रभास ने अपने करियर में कई लोकप्रिय अभिनेत्रियों के साथ काम किया, लेकिन कुछेक के साथ ही उनकी जोड़ी पर्दे पर जमी। अनुष्का शेट्टी उन्हीं में से एक हैं।जब-जब यह जोड़ी दर्शकों के बीच आई, उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई, वहीं फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। अब हम यह राम कहानी आपको इसलिए सुना रहे हैं कि एक बार फिर अनुष्का और प्रभास की जोड़ी बनने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास और अनुष्का एक बार फिर रुपहले पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।इससे भी खास बात यह है कि बाहुबली- द बिगनिंग और बाहुबली- द क'क्लूजन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके निर्माता शोबू यरलागड्डु एक बार फिर प्रभास के साथ पारी खेलने को तैयार हैं।वह अपनी अगली फिल्म में अनुष्का को ही प्रभास की जोड़ीदार बनाना चाहते हैं। उनकी यह फिल्म भी काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शोबू फिल्म में प्रभास और अनुष्का को ही लीड रोल के लिए साइन करना चाहते हैं। उन्होंने इस सिलसिले में दोनों से बातचीत की है। अब उन्होंने इसके लिए रजामंदी दी या नहीं, यह नहीं पता, लेकिन इस खबर से उनके प्रशंसक जरूर उतावले हो गए हैं।दरअसल, बाहुबली के बाद से प्रशंसक प्रभास और अनुष्का को एक बार फिर पर्दे पर साथ देखने को बेताब हैं और अब उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली है।

प्रभास और अनुष्का की जोड़ी को बाहुबली में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। इसमें जहां प्रभास अमरेंद्र सिंह बाहुबली के रूप में नजर आए, वहीं अनुष्का ने देवसेना की भूमिका निभाई।2009 में आई फिल्म बिल्ला में ये दोनों कलाकार पहली बार साथ दिखे थे। यह इसी नाम से बनी तमिल फिल्म का तेलुगु रीमेक है।2013 में आई एक्शन ड्रामा मिर्ची में भी उनकी केमिस्ट्री को पसंद किया गया था। इस फिल्म का निर्देशन कोरतल्ला शिवा ने किया था।

प्रभास जल्द ही फिल्म सालार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील ने किया है।यह फिल्म 28 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सालार को हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।प्रभास, दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म स्पिरिट उनके खाते से जुड़ी है।दूसरी तरफ अनुष्का जल्द ही फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पॉलिशेट्टी में नजर आने वाली हैं।(आरएनएस)

चंद्रमुखी 2 के लिए करना होगा और इंतजार

कंगना रनौत जल्द ही दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले कुछ वक्त से वह अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर चर्चा में हैं।ताजा खबर यह है कि निर्माताओं ने चंद्रमुखी 2 की निर्धारित रिलीज तारीख को स्थगित कर दिया है।अब यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।बता दें, पहले यह फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी।

चंद्रमुखी 2 में कंगना तमिल सिनेमा के जाने-माने अभिनेता राघव लॉरेंस के साथ नजर आएंगी। इसमें कंगना विश्व प्रसिद्ध डांसर की भूमिका अदा करेंगी।फिल्म में वडिवेलु, राधिका सरथकुमार, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, सुभिक्षा कृष्णन, रवि मारिया, कार्तिक श्रीनिवासन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। पी वासु के निर्देशन में बनी चंद्रमुखी 2 तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड और हिंदी में रिलीज होगी।इसका निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा।

चंद्रमुखी 2 में कंगना, राजा के दरबार में एक नर्तकी की भूमिका निभाएंगी, जो अपनी सुंदरता और नृत्य कौशल के लिए जानी जाती थी। फिल्म में कंगना के साथ तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस मुख्य भूमिका निभाएंगे। लाइका प्रोडक्शन और सुबास्करण की निर्मित यह फिल्म सितंबर में तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

कंगना की पीरियड ड्रामा फिल्म इमरजेंसी की बात करें तो, यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें कंगना दिवंगत राजनेता की मुख्य भूमिका में हैं, जो 24 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आमिर खान और किरण राव की लापता लेडीज का पोस्टर जारी

आमिर खान और किरण राव दोबारा साथ आए हैं और दोनों के फिर से साथ आने की वजह भी खास हैं। आमिर और किरण ने जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत फिल्म लापता लेडीज के लिए फिर से हाथ मिलाया है। इस फिल्म का निर्देशन किरण राव कर रही हैं, जबकि आमिर खान प्रोडक्शन्स के बैनर तले फिल्म बनाई जा रही है। ये 5 जनवरी 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें, अपने निर्देशन की पहली फिल्म धोबी घाट के बाद किरण एक दशक से अधिक समय बाद फीचर फिल्म के साथ निर्देशक के रूप में वापसी कर रही हैं।

इस अपकमिंग फिल्म के निर्माताओं ने पहले इस कॉमेडी-ड्रामा की दुनिया की एक रोमांचक झलक दी थी, जो एक अनोखे प्लॉट, मजेदार डायलॉग्स और प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी हुई है। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन मुख्य भूमिका में हैं।

जबकि दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है जो कि 5 जनवरी, 2024 है। ये फिल्म किरण राव के साथ आमिर खान की पार्टनरशिप को लेकर पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त हलचल मचा चुकी है।

दर्शक धोबी घाट के बाद किरण की अगली पेशकश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिलीज़ डेट की घोषणा ने उनके बहुप्रतीक्षित निर्देशन के लिए उत्साह बढ़ा दिया है।

लापाता लेडीज को रिलीज से पहले 8 सितंबर को प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में ग्रैंड प्रीमियर के दौरान दिखाया जाएगा।

सनातन विरोध की राजनीति के लिए देश तैयार नहीं

अजीत द्विवेदी

तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए बयान के विरोध का दायरा बढ़ रहा है। हालांकि अभी तक इसे सिर्फ धर्म के एकांगी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। लेकिन असल में इसे धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक तीनों संदर्भों में देखने की जरूरत है। बुनियादी रूप से उदयनिधि का बयान एक राजनीतिक बयान है, जिसकी जड़ें तमिलनाडु की द्रविड राजनीति में अंतर्निहित हैं, जहां समाज व्यापक रूप से ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार और उनसे भी पहले के दार्शनिक रामालिंगा स्वामीगल उर्फ वल्लालार के विचारों से प्रभावित है। वल्लालार केरल के महान समाज सुधारक नारायण गुरू के समकालीन थे। दोनों उस समय में थे, जब लगभग समूचे दक्षिण भारत में समाज सुधार के छोटे छोटे आंदोलन चल रहे थे। दोनों ने जाति प्रथा, पितृसत्तात्मक समाज और सनातन धर्म की कई परंपराओं का विरोध किया और तर्क आधारित विचार पद्धति का समर्थन किया। उनका दर्शन बाद के समय में राजनीतिक आंदोलनों का आधार बना।

उदयनिधि उस विचार के साथ बड़े हुए हैं। उन्होंने अपने दादा और अपने पिता को वही राजनीति करते देखा है इसलिए वे उसी राजनीतिक विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। सो, अगर द्रविड राजनीति के नजरिए से देखें तो उन्होंने एक मास्टरस्ट्रोक चला है, जिसका फायदा उनकी पार्टी को हो सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या पूरा देश इस राजनीति के लिए तैयार है? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि उदयनिधि के बयान पर तमिलनाडु में कोई हंगामा नहीं हो रहा है। वहां की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके इसका विरोध नहीं कर रही है। वहां की एक दर्जन छोटी पार्टियां हैं, जिनमें से कई भाजपा के साथ हैं लेकिन किसी ने इसके विरोध में एक बयान जारी नहीं किया है। इसका कारण यह है कि तमिलनाडु में सनातन विरोध की पुरानी परंपरा रही है। परंतु पूरा देश अभी इस राजनीति के लिए तैयार नहीं है। देश के अलग अलग हिस्सों में अलग अलग तरह से इस राजनीति को आजमाने का प्रयास हो रहा है लेकिन अभी उसमें बड़ी कामयाबी नहीं हासिल हुई है।

इस बात को समझने के लिए पिछले एक साल में देश के अलग अलग राज्यों में शुरू हुए राजनीतिक विमर्श को देखने और समझने की जरूरत है। इस साल अप्रैल में कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात कही और भाजपा ने बजरंग दल को ही बजरंग बली बताते हुए कांग्रेस पर हमला शुरू किया। उसी समय बिहार में राज्य सरकार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने 'रामचरितमानस' का विरोध शुरू किया। मानस में पिछड़ी व दलित जातियों व स्त्रियों को लेकर जो कुछ लिखा गया है चंद्रशेखर ने उसका विरोध किया। ठीक उसी समय उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य ने तुलसीदास और उनकी रचना 'रामचरितमानस' के खिलाफ मोर्चा खोला। उन्होंने इसे बदलने और इसमें महिलाओं, दलितों, पिछड़ों के लिए कही गई बातों को मिटाने की बात कही। चंद्रशेखर और स्वामी प्रसाद मौर्य को अपनी पार्टियों का खुला समर्थन नहीं मिला लेकिन उनका विरोध भी नहीं हुआ और न पार्टी के स्तर पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। अब उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर जो कहा है वह चंद्रशेखर और स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों से जुड़ता है और उसका ही विस्तार प्रतीत होता है।

इनकी बातों को और गहराई से समझने के लिए यह जानना होगा कि सनातन का क्या मतलब है? सनातन का अर्थ है- सदा से। यानी जो चीज हमेशा रही है और हमेशा रहेगी, जो अजर-अमर है वह सनातन है- जैसे आत्मा। सनातन धर्म में आत्मा को अजर-अमर माना गया है और पुनर्जन्म को स्वीकार किया गया है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बौद्ध और जैन धर्म भी अपने को सनातन मानते हैं और आत्मा व पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं। अब दूसरा सवाल यह है कि क्या सनातन और हिंदू एक ही हैं? कई विद्वानों ने इस सवाल का अपनी अपनी तरह से जवाब दिया है लेकिन सबसे सरल जवाब यह है कि व्यापक हिंदू समाज में सनातन एक हिस्सा है, जो उन तमाम परंपराओं और मान्यताओं में विश्वास करता है, जिन्हें आधुनिक समय की प्रवृत्तियों या आधुनिक समाज व्यवस्था में बुरा या अमानवीय माना जाता है। असल में 19वीं सदी में जब देश के अलग अलग हिस्सों में समाज सुधार के प्रयास शुरू हुए और स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह, जाति उन्मूलन आदि बातें जोर पकडऩे लगीं तो हिंदुओं के अंदर एक समूह ने इसका विरोध किया। वे जाति प्रथा और पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था को बनाए रखने के पक्ष में थे। वे शुद्धता में विश्वास करते थे, जिसके लिए शाकाहार आवश्यक था। उन्होंने अपने को सनातन कहना शुरू किया। ध्यान रहे सनातन शब्द का इस्तेमाल भगवद्गीता में है लेकिन वेदों में इसका जिक्र नहीं मिलता है। बहरहाल, इसके थोड़े समय बाद यह धारणा भी जोर पकडऩे लगी कि हिंदू कहना भारत की अभिव्यक्ति नहीं है। बाहर से आए लोगों ने इस शब्द का इस्तेमाल किया इसलिए इसकी बजाय सनातन शब्द का इस्तेमाल किया जाए। लेकिन हकीकत यह है कि सनातन एक खास अर्थ में रूढ़ हो चुका शब्द है, जिसका विरोध उदयनिधि ने किया है या बिहार में चंद्रशेखर ने किया था या उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य कर रहे हैं। इसका व्यापक हिंदू समाज या धर्म से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है।

इसके बावजूद यह कहने में हिचक नहीं है कि धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर देश अभी सनातन के खिलाफ बहुत आक्रामक हमला स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ध्यान रहे किसी भी विचार की सफलता तभी संभव है, जब व्यापक समाज उसे स्वीकार करने को तैयार हो। पुरानी कहावत है कि उस विचार को सफल होने से नहीं रोका जा सकता है, जिसका समय आ चुका हो। लेकिन समय से पहले अगर उस विचार को स्वीकार कराने के लिए जोर डाला जाएगा तो नुकसान हो सकता है। तमिलनाडु में समाज सुधार आंदोलनों को सफल होने में बहुत लंबा समय लगा है, जबकि उत्तर भारत में तो अभी इसकी शुरुआत हुई है। मंडल की राजनीति को इसका प्रस्थान बिंदु मान सकते हैं। लेकिन सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में दाखिलों के अलावा विचार के स्तर पर मंडल की राजनीति आगे नहीं बढ़ी। उत्तर प्रदेश में कांशीराम ने बहुजन समाज पार्टी को एक आंदोलन के तौर पर शुरू किया था। अगर वे अड़े रहते तो शायद यह समय पहले आया होता। लेकिन सत्ता के लिए उनकी पार्टी ने पहले 'तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार' के नारे लगाए और उसके बाद 'हाथी नहीं गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु महेश है' कहना शुरू कर दिया।

सो, करीब तीन दशक तक मंडल और दलित आंदोलन दोनों सत्ता की राजनीति में अटके रहे। अब धीरे धीरे उसके आगे बढऩे का सिलसिला शुरू हुआ है। अपने अधिकार और अपनी गरिमा के लिए उन्होंने वैचारिक संघर्ष की जमीन तैयार करनी शुरू की है, जिसका प्रस्थान बिंदु 'रामचरितमानस' का विरोध है। यह अभी बिल्कुल शुरुआती स्थिति में है और उत्तर भारत या समूचे हिंदी पट्टी का पिछड़ा, दलित, आदिवासी इसके गूढ़-गंभीर पहलुओं को समझने के लिए तैयार नहीं है। वह देख रहा है, हो सकता है कि उसको अच्छा भी लग रहा हो लेकिन वह इसका हिस्सा नहीं बन रहा है। चूंकि उदयनिधि की पार्टी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है और उनके पिता एमके स्टालिन हर जगह 'इंडिया' की बैठक में प्रमुखता से मौजूद रहते हैं। इसलिए उदयनिधि का बयान देश के बड़े हिस्से में विपक्ष को नुकसान पहुंचा सकता है।

सू- दोकू क्र.042

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.41 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

पुतिन के नए यार

श्रुति व्यास

जहां पश्चिमी देश व्लादिमीर पुतिन से दूरी बना रहे हैं, वहीं पुतिन कई नए यार बना रहे हैं। उनके ये नए यार उनके जैसे ही हैं-सत्ता के भूखे और पश्चिमी देशों को नीची निगाहों से देखने वाले। इन नए यारों की लिस्ट में सबसे ऊपर हैं किम जोंग-उन। अपने देश से बहुत कम बाहर निकलने वाले किम जोंग इसी महीने एक बख्तरबंद रेलगाड़ी से प्योंगयांग से रूस के प्रशांत सागर तट पर स्थित व्लादिवोस्तोक शहर पहुंचेंगे, जहां वे पुतिन से साथ काम की बातें करेंगे। पुतिन चाहते हैं कि किम जोंग रूस को गोला-बारूद और टैंक-रोधी मिसाइलें दें और किम चाहेंगे कि रूस उनके देश को उपग्रह और परमाणु-शक्ति से चलने वाली पनडुब्बियों की उन्नत टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराए। साथ ही उनके दरिद्र देश को खाद्यान्न भी दे।

इस बीच सोमवार को पुतिन ने तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन से मुलाकात की। दोनों देशों की पार्टनरशिप को विस्तार देने पर बातचीत की। कुछ महीने पहले तक पश्चिम में अटकलें लगाई जा रहीं थीं कि अर्दोआन और पुतिन के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। लेकिन इस मुलाकात से पश्चिम में दुबारा चिंता बनी है। इन दोनों नेताओं के एकसाथ नजर आने से साफ हुआ है कि उनके रिश्ते कायम हैं और संभवत- और मज़बूत होंगे क्योंकि साझेदारी से दोनों को फायदा ज्यादा है और नुकसान कम।

तुर्की ने पश्चिमी प्रतिबंधों को लागू नहीं किया है और वह रूस को जरूरी चीजों की सप्लाई का महत्वपूर्ण जरिया बना हुआ है। दूसरी तरफ आर्थिक संकटों से जूझ रहे तुर्की के लिए रूस एक बड़ा बाजार है। तेल का भुगतान देरी से करने की सुविधा व तुर्की को केन्द्रीय बैंक में धन जमा कर रूस, तुर्की की अर्थव्यवस्था को भी सहारा दे रहा है। और किम जोंग-उन के विपरीत, जो पुतिन की तरह पश्चिम के बहिष्कारों का सामना कर रहे हैं, अर्दोआन के दोनों हाथों में लड्डू हैं।

अर्दोआननाटो में स्वीडन की एंट्री के लिए राजी हुए। उन्होंने अमेरिका में जो बाइडन से मुलाकात भी की। सोमवार को यह और साफ हो गया कि तुर्की और रूस के संबंध कितने गहरे होते जा रहे हैं। दोनों के बीच व्यापार से तुर्की को फायदा हुआ है, रूसी पर्यटक ज्यादा संख्या में तुर्की जा रहे हैं, एनर्जी से जुड़े मसलों पर दोनों देशों का आपसी सहयोग बढ़ा है और उनकी योजना भविष्य में इसे और आगे बढ़ाने की है। अर्दोआन बहुत खुश हैं कि रूस तुर्की के भूमध्यसागर तट के पास एक न्यूक्लियर पॉवर प्लांट बना रहा है और उसने दूसरा प्लांट बनाने की पेशकश की है।

दूसरी ओर उत्तर कोरिया के मामले में रूस-उत्तर कोरिया संबंधों का मजबूत होना दोनों देशों के लिए फायदेमंद है क्योंकि दोनों के ही बहुत कम मित्र हैं। और अमेरिका दोनों का साझा शत्रु है। व्हाइट हाउस ने चेतावनी दी है कि पुतिन और किम के बीच पत्रों के जरिए हथियारों के सौदे को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ है। बताया जाता है कि किम अक्सर उन विदेशी नेताओं को स्नेहपूर्ण और कई बार भावुक पत्र लिखते हैं जिन्हें वे अपना मित्र या संभावित मित्र मानते हैं। उनके व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच आमने-सामने की ऐतिहासिक मुलाकात के पहले कई पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया और रूस के आपसी सहयोग के बारे में सबसे पहले करीब एक साल पहले चेताया था। अधिकारियों ने सार्वजनिक किए गए अमरीकी जासूसी संस्थाओं के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा था कि रूस, यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए तोप के गोले खरीदने की योजना बना रहा है। तुर्की और उत्तर कोरिया के अलावा, पुतिन को ईरान और चीन के रूप में मददगार दोस्त मिलते प्रतीत हो रहे हैं। ईरान ने रूस को ड्रोन दिए हैं और वह एक ड्रोन निर्माण इकाई बनाने में भी रूस की सहायता कर रहा है। चीन भी रूस की सेना के लिए उपयोगी तकनीकी दे रहा है। व्लादिमीर पुतिन अकेले नहीं हैं। उन्हें यार मिल गए हैं जो उन्हें यूक्रेन की लड़ाई तेज करने में मदद कर रहे हैं। पुतिन इस स्थिति को तब तक बनाए रखना चाहते हैं जब उनके सबसे अच्छे मित्र डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति का चुनाव जीत नहीं जाते। आततायी कभी अकेले नहीं पड़ते, क्योंकि दुनिया में नायक कम हैं खलनायक ज्यादा।

मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर की विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव में विशेष पूजा अर्चना की गयी।

देवभूमि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्म दिवस के पावन अवसर पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में विशेष पूजा अर्चना की गई। राज्य की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना की गई साथ ही मुख्यमंत्री के दीर्घाऊ जीवन के लिए 48 घी के दीपक प्रज्वलित किए गए। साथ ही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्म दिन की अग्रिम बधाई दी गई। कल मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी, इस अवसर पर अरविंद बडोनी, हर्षपति रयाल सहित काफी संख्या में भक्त उपास्थित रहे।

15वां रक्तदान शिविर 23 को

देहरादून (कासं)। श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा 15वां रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 23 सितंबर दिन शनिवार, स्थान: श्री गुरु राम राय दरबार साहिब में लगाया जा रहा है। रोशन राना ने कहा कि जो व्यक्ति प्लेटलेट्स डोनेट करना चाहते है वे लाइव डोनर बनकर किसी अमूल्य जीवन को बचाने के लिए अपना योगदान अवश्य दें।

बाईक चोर गैंग का खुलासा, 10 बाईक व ई रिक्शा सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चुरायी गयी दस बाइक व एक ई रिक्शा भी बरामद किया है।

मामले का खुलासा करते हुए एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बाइक चोरी की लगातार बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए सिविल लाइन कोतवाली पुलिस की एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान एक सिल्वर रंग की

स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि वह बाइक चोरी की है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम आरिफ पुत्र शाहिद निवासी रहमत नगर खालापार मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश और अमजद पुत्र खलील निवासी हाजीपुरा का चोपड़ा मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश बताया। आरोपियों से जब सख्ती से पूछताछ की गयी तो उनकी निशानदेही पर 10 अन्य बाईक और एक ई रिक्शा बरामद किया गया। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिसकर्मी की आंख फोड़कर फरार हुआ..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अलग-अलग क्षेत्रों में नकबजनी की वारदातों को अंजाम दे रहे है। बताया कि उक्त बदमाशों में से एक विक्रम पुत्र भूरा घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रूपये का ईनामी घोषित किया गया था। रू0 का इनाम घोषित किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम सात लोगों का गैंग था। जिसने 2022 में जनपद हरिद्वार के थाना कनखल, रानीपुर, सिडकुल में नकबजनी की कई वारदातों को अंजाम दिया था। बताया कि उसी दौरान एक रात को जब हम शिवालिक नगर हरिद्वार में एक घर में चोरी करने के लिए घुसे थे तो उसी समय दो पुलिस वाले गस्त करते हुए अचानक से आ गये और उन्होंने हमें देख लिया और उन्होंने हमें पकड़ने का प्रयास किया इसके बाद हमने उन पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट के दौरान एक सिपाही की आंख पर गुलेल से हमला कर लहुलुहान कर दिया जिसके बाद हम उनकी गिरफ्त से छूटकर भाग गये। घटना में शामिल छह बदमाशों को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है।

405 टीन लीसा सहित दो तस्कर दबोचे

हमारे संवाददाता

चमोली। बड़ी मात्रा में अवैध वन सम्पदा (405 टीन लीसा) सहित पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी व थाना गैरसैंण पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर अवैध वन सम्पदा की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को आखड़ गधेरा आदिबद्री के पास एक संदिग्ध ट्रक आता हुआ दिखायी दिया।

ट्रक की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखे 405 टीन लीसा बरामद किया।

जिसकी कीमत 10 लाख रूपये बतायी जा रही है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मुकेश जोशी पुत्र वासुदेव जोशी निवासी मोहल्ला गन्ना सेंटर किशनपुर गुरुद्वारा, रामपुर रोड चौकी देवल चौड़ थाना हल्द्वानी जिला नैनीताल व संजय पुत्र अजमेर सिंह निवासी ग्राम छाजपुर खुर्द तहसील बापौली थाना पानीपत जिला पानीपत हरियाणा बताया। बताया कि उक्त लीसे को वह द्वाराहाट से कर्णप्रयाग होते हुए बेचने हेतु पंजाब लेकर जा रहे थे।

चालक द्वारा लीसा परिवहन सम्बन्धी कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किये जाने पर पुलिस द्वारा दोनो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तस्करों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी एस.आई. नवनीत भण्डारी, थाना प्रभारी गैरसैंण मनोज नैनवाल, का. आशुतोष (एसओजी) का. रविकान्त (एसओजी) व एसएसआई थाना गैरसैंण विजय प्रकाश शामिल रहे।

नगर निगम की जमीन को लाखों रूपये में बेचने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम की जमीन को तीन लोगों को लाखों रूपये में बेचने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम के कर अधीक्षक राहुल केन्याली ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि संजय सैनी, कानूनगो, तहसील सदर देहरादून द्वारा मौजा डांडा नूरीवाला में सरकारी भूमि को विक्रय करने के सम्बन्ध में उपलब्ध कराये गये बयानों में श्रीमती कंचन पासवान पुत्री संजय पासवान पेशा गृहणी, निवासी- डांडा नूरीवाला द्वारा बयान दिया गया है कि फिरोज अली द्वारा 200 गज जमीन 7 लाख रूपये में बेची गयी। धर्मपाल सिंह पुत्र कालूराम, निवासी डांडा नूरीवाला द्वारा बयान दिया गया है कि फिरोज अली द्वारा जमीन 7 लाख रूपये में बेची गयी। हरबीर सिंह पुत्र सुन्दर लाल पेशा विद्यार्थी, निवासी- डांडा नूरीवाला, द्वारा बयान दिया गया है कि फिरोज अली द्वारा 150 गज जमीन 5 लाख 80 हजार रूपये में बेची गयी। पुलिस ने फिरोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

22 सितम्बर को लगेगा रोजगार मेला

संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखण्ड युवा महोत्सव के उपलक्ष्य में 22 सितम्बर को हरिद्वार में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां प्रभारी जिला सेवायोजना अधिकारी ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उदात्त ध्येय, प्रदेश के बेरोजगार युवक युवतियों को अधिकाधिक संख्या में सेवायोजित किया जाने के क्रम में प्रस्तावित उत्तराखण्ड युवा महोत्सव-2023 के उपलक्ष्य में जनपद हरिद्वार के शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय हरिद्वार के तत्वाधान में दिनांक 22 सितम्बर 2023 को प्रात: 10 बजे से एसएमजे एनपीजी कॉलेज, रानीपुर, हरिद्वार में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ब्रिपो, आईटीसी, पतंजलि, एक्मस ड्रग्स, गोल्ड प्लस, हैवल्स, विजय इलैक्ट्रिकल्स, बजाज मोटर्स, किरबी, राकमैन, एंकर कंस्यूमर, थैमिस मेडिकेयर, रिलैक्सो इत्यादि कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। अभ्यर्थियों का चयन कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों हैल्पर, आपरेटर, ट्रेनी, इंजीनियर, रिलेशनशीप, मैनेजर, कैमिस्ट, प्रोडक्शन, सुपरविजन, सेल आफिसर, फिल्ड स्टाफ हेतु किया जायेगा। मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों का चयन निम्न शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई, ग्रेजुएट, डिप्लोमा, बीटेक, बीएससी, एमएससी, बी फार्मा, एम फार्मा के आधार पर किया जाएगा। रिक्तियों की संख्या लगभग 2000 एवं आयु सीमा 18-35 वर्ष है।

इच्छुक अभ्यर्थी 22 सितम्बर 2023 को प्रात: 10 बजे से एसएमजे एनपीजी कॉलेज, रानीपुर, हरिद्वार में अपने शैक्षिक योग्यता के समस्त मूल प्रमाण पत्र व छाया प्रतियों, बायोडाटा एवं 02 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ उपस्थित हो सकते हैं। अभ्यर्थियों का उत्तराखंड सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण होने के साथ-साथ भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है।

ऑनलाइन कार खरीदने के चक्कर में गंवाए चार लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑन लाईन कार खरीदने के चक्कर में चार लाख रूपये गंवाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर कला निवासी दामिनी रतूडी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने कजिन के विवाह के लिए एक कार इनोवा - हाई क्रॉस, खरीदने के लिए ऑन लाइन प्लेटफार्म पर इंटरनेट के माध्यम से जानकारी हासिल कर रही थी, कि अचानक एक अनजान व्यक्ति गौरव मिश्रा ने ऑन लाइन उसके संपर्क मे आ गया, जिसने उसको अपनी बातों से विश्वास दिलाया कि वो कार डीलर है, और चूकिं बाजार मे उक्त कार आसानी से उपलब्ध नही हो रही थी, अधिक समय तक इतंजार करना पड़ता है, उक्त व्यक्ति ने उसको विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर बहुत ही आकर्षक औफर के साथ उक्त कार उपलब्ध करवा देने का आश्वासन और यकीन दिलाकर उससे कार की कीमत के बयाना के रूप मे ऑन लाइन अपने बैक एचडीएफसी उद्योग विहार गुरू ग्राम हरियाणा शाखा के अपने नाम के अकाउंट नंबर आई एफ एस सी कोड मे उससे 16 जून 2023 को, यह विश्वास दिलाकर कि 28 जून 2023 से पूर्व ही निश्चित रूप से उक्त कार उसको उपलब्ध करवा देगा, चार लाख रूपये शाम को 06 बजकर 09 मिनट पर इनईएफटी के माध्यम से तथा 17 जून 2023 को एक लाख रूपये बुद्वा मोटर्स, पटना के एस बी आई बैक के खाते मे ट्रांसफर करवा लिए और फिर 26 जून 2023 से गौरव मिश्रा ने उसके ऊपर दबाव बनाया कि वह उक्त गौरव मिश्रा के व्यक्तिगत बैंक खाते मे दस लाख रूपये जमा करवा दे, लेकिन उसने कहा कि वह पहले उक्त कार के बुकिंग और डिलीवरी की रसीद उसको उपलब्ध करवा दे और साथ के साथ पैसे ले ले या शो रूम के खाते मे पैसे जमा करवा ले, लेकिन इसके बाद गौरव मिश्रा ने उसकी फोन कॉल उठानी ही बंद कर दी, और इस प्रकार उक्त गौरव मिश्रा ने उसके साथ धोखा कर के उसके चार लाख रूपये हड़प लिए और उसको बेहद आर्थिक एवं मानसिक तनाव कारित कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

नोएडा लिफ्ट हादसे में घायल 4 और मजदूरों की इलाज के दौरान मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा लिफ्ट हादसे में घायल चार और मजदूरों की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी। लिफ्ट हादसे में मृतकों की कुल संख्या 8 हो गयी है। अभी भी एक मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। शुक्रवार को हुए हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी जबकि पांच को इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। हादसे में मरने वाले कामगारों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। साथ ही हादसे में जो लोग घायल हुए हैं उनके उपचार का पूरा खर्च एनबीसी के द्वारा उठाया जाएगा। इसमें से 20 लाख रुपए एनबीसीसी व 5 लाख कोर्ट रिसीवर के द्वारा दिए जाएंगे। इनकी हुई मौत हादसा वेस्ट (नोएडा एक्सटेंशन) में निर्माणाधीन आवासीय सोसाइटी में हुआ था। इस हादसे में इस्ताक अली, अरुण तांती मंडल, विपोत मंडल, आरिस खान,

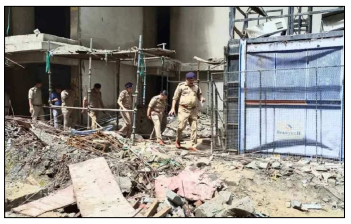

असुल मुस्तकीम, अब्दुल मुस्तकीम, कुलदीप पाल और अरबाज अली की मौत हो गई है। परिजनों ने की थी मुआवजे की मांग परिजनों ने मुआवजे और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। उन्होंने कहा कि इस हादसे ने उनके जीवन में भूचाल ला दिया है। उनकी सभी खुशियां मिट्टी मेंके मिल गयी हैं। जो कमाने वाले थे उनकी मौत से हम पर रोजी रोटी और खाने को संकट आ गया है। सरकार को आगे आकर हम सभी का सहयोग करना चाहिए।

आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े मामले को लेकर तमिलनाडु के कई शहरों में एनआईए के छापे

चेन्नई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े एक कथित मामले के सिलसिले में शनिवार सुबह तमिलनाडु के कई शहरों में छापे मारे। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि जिन लोगों से

जुड़े परिसरों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का एक पार्षद भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए की कई टीम चेन्नई, कोयंबटूर और तेनकासी में कई लोगों से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, एनआईए ने आईएसआईएस कट्टरपंथ और भर्ती मामले में तमिलनाडु और तेलंगाना में 30 स्थानों पर छापेमारी की। कोयंबटूर में 21 स्थानों, चेन्नई में 3 स्थानों, हैदराबाद/ साइबराबाद में 5 स्थानों और तेनकासी में 1 स्थानों पर छापेमारी चल रही है।

विदेश से गिफ्ट आने को कहकर ठगे 75 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश से गिफ्ट आने का बहाना बनाकर 75 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रेश नगर निवासी ऊषा देवी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी एक व्यक्ति जिसका नाम एलेक्स कॉलवीन है साई बाबा कुटुम्ब एप के जरिए उसकी जान पहचान हुई उसने उससे उसका व्हटसएप नम्बर मांगा उसने उसको अपना व्हटसएप नम्बर दे दिया। उसको उसने अपने व्हटसएप से मेसेज 4 जुलाई को किया और 4 जुलाई से उसकी दोस्ती हो गई। 14 अगस्त को

उसने उससे कहा कि उसने उसके लिए गिफ्ट भेजा है और वो दो तीन दिन मिल जाएगा। फिर 17 अगस्त को उसको एक फोन आया कि वह दिल्ली एयरपोर्ट से बात कर रही हूँ कि उसके नाम का एक पार्सल आया है और उसकी कस्टम ड्यूटी 25 हजार रूपये लगेगी वो उसको देनी होगी और उसको यहां आकर ले लो। उसने कहा वह नहीं आ सकती तो उसने उसको एक एकाउंट नम्बर दिया बैंक के नाम से भेजा और उसने 25 हजार रूपये उसमे डाल दिये उसके बाद फिर उसको फोन आया कि उसमें एक पैकेट और है और 60 हजार पौड है जो 63,00000 रूपये होते है । और कस्टम ड्यूटी 1,20,000 रूपये है वो भी देनी ही। उसने उसके बाद 50 हजार रूपये और उस एकाउंट में डाल दिये। लेकिन उसके बाद ना तो गिफ्ट आया और ना ही उसके पैसे वापस आये। एलेक्स कॉलवीन ने भी अपना नम्बर बंद कर दिया है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नन्दाधाम में कलश यात्रा के साथ हुआ शिवपुराण शुरु

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आज नन्दाधाम, नथनपुर में शिवपुराण कथा से पूर्व नन्दादेवी समिति के द्वारा भव्य शोभायात्रा जिसमें ढोल दमांऊ की थाप पर शिव भक्त झूम पड़े पीत वस्त्र धारण शिर पर कलश रखे आदर्श कालोनी शिवमन्दिर से मुख्य मार्गों से होते हुए मां नन्दा के मन्दिर तक पहुंची जहां विद्वान बेदपाठीयों के द्वारा जलाभिषेक किया गया।

देवभूमि के प्रसिद्ध कथावाचक ज्योतिष्पीठ व्यास आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहा कि ईश्वर ने मनुष्य को अपार सम्पदाओं से भरा-पूरा जीवन दिया है पर वह पोटली बाँधकर नहीं, एक-एक खण्ड के रूप में गिन-गिन कर। नया खण्ड देने से पहले पुराने का ब्यौरा पूछता है कि उसका क्या हुआ? जो उत्साह भरा ब्यौरा बताते हैं, वे नये मूल्यवान खण्ड पाते हैं। ईश्वर तब बहुत निराश होता है, जब देखता है कि उसके पिछले अनुदान धूल में फेंक दिये गये।

आचार्य ममगांई नें कहा परमात्मा के अनन्त वैभव से विश्व में कमी किसी बात की नहीं। भगवान् आपके हैं और उसके राजकुमार के नाते सृष्टि की हर वस्तु पर आपका समग्र अधिकार है। उसमें से जब जिस चीज की जितनी आवश्यकता हो, उतनी लें और आवश्यकता निबटते ही अगली बात सोचें। संसार में सुखी और सम्पन्न रहने का यही तरीका है। बादल अपने, नदी अपनी, पहाड़ अपने और वन-खाद्यान्न अपने। इनमें से जब जिसके साथ रहना हो रहें। जिसका जितना उपयोग करना हो करें। कोई रोक-टोक नहीं है। नदी को रोक कर यदि अपना बनाना चाहेंगे और किसी दूसरे को पास न आने देंगे,उपयोग न करने देंगे,तो समस्या उत्पन्न होगी। एक जगह जमा किया हुआ पानी अमर्यादित होकर बाढ़ के रूप में उफनने लगेगा और आपके निजी खेत- खलिहानों को ही डुबो देगा।

बहती हुई हवा कितनी ही सुरभित क्यों न हो,उसे आप अपने ही पेट में भरना चाहेंगे,तो पेट फूलेगा, फटेगा,औचित्य इसी में है कि जितनी जगह फेफड़ों में हो उतनी ही श्वास लें और बाकी हवा दूसरों के लिये छोड़ दें। मिल-बांटकर खाने की यह नीति ही सुखकर है। ईश्वर ने जैसे हमें अमूल्य सम्पदाओं से नवाजा है वैसी ही उदारता हम दूसरों के साथ बरतनी चाहिए ।

इस अवसर पर अध्यक्ष दीपा मुंडेपी पण्डित जटा शंकर तिवारी, उपाध्यक्ष प्रेम तनेजा, सचिव महावीर रावत, रायपुर क्षेत्र के पार्षद नरेश रावत, सर्वेश्वरी देवी, प्रभा जुयाल, प्रसन्ना लखेड़ा, सुधीर मुंडेपी, सुमन सकलानी, तनुजा जुयाल, विकास जुयाल, मनोहर लाल जुयाल, डॉक्टर तृप्ति जुयाल सेमवाल सुरेंद्र मुंडेपी आशीष सेमवाल, जे पी सेमवाल आचार्य संदीप बहुगुणा, आचार्य प्रदीप नौटियाल, सुरेश जोशी आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित थे।

टिहरी-चम्बा मार्ग पर कार खाई में गिरी, एक की मौत तीन घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक कार के अनियंत्रित होकर खाई में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं तीन अन्य लोग गभीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह टिहरी कण्ट्रोल रूम द्वारा एसडीआरएफ को सूचित किया गया कि टिहरी चम्बा मार्ग पर एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर गया है, जिसमें रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

बताया जा रहा है कि उक्त घटना में एक आई 10 कार जिसमें 4 लोग सवार थे, चम्बा से धनोल्टी मार्ग पर जाते समय अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गयी। वाहन सवार 4 लोगों में से 1 व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गयी जबकि 3 घायल अवस्था में थे। इस पर एसडीआरएफ टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुऐ तत्काल लगभग 200 मीटर नीचे रोप द्वारा खाई में उतरकर कार तक पहुँच बनायी व तीनों घायलों को मुख्य मार्ग तक पहुँचाकर अस्पताल भिजवाया गया व मृतक के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। घायल व्यक्तियो के नाम बृज किशोर 32 वर्ष, अनिल मिश्रा 28 वर्ष, विकास बिष्ट 27 वर्ष व मृतक का नाम तुषार पांडे 35 वर्ष बताया जा रहा है।

केदारपुरी के बाजार बंद

❑तीर्थ पुरोहितों व पुजारियों का धरना-प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 2013 में केदारनाथ आपदा में अपना सब कुछ गंवा बैठे केदारपुरी के तीर्थ पुरोहित और पुजारी तथा व्यापारी 10 साल बाद अब एक बार फिर आपदा राहत पाने के लिए आंदोलन की राह पर निकल पड़े हैं। केदारपुरी के तीर्थ पुरोहितों पुजारियों और व्यापारियों ने आज यहां धरना प्रदर्शन किया और 24 घंटे के लिए बाजार बंद रखकर इस ओर शासन-प्रशासन का ध्यान खींचने की कोशिश की है।

❑2013 के आपदा प्रभावितों को मुआवजे का मुद्दा
❑ सरकार ने नहीं सुनी तो करेंगे आमरण अनशन

इन लोगों का कहना है कि भले ही 2013 की आपदा के बाद केदार घाटी में कितने भी काम क्यों न हुए हो लेकिन जिन स्थानीय पुजारियों व पुरोहितों के घर-बार और व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ था उन आपदा प्रवाहितों को अभी तक कोई राहत नहीं मुहिया कराई गई है। जिन तीर्थ पुरोहितो व पुजारियों के घर आपदा में तबाह हो गए थे उन्हें अभी तक आवास मोहिया नहीं कराये गए हैं न होटल धर्मशाला और दुकानें दी गई है।

उन्होंने शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर अभी ध्यान नहीं दिया गया तो अभी सिर्फ 24 घंटे बाजार बंद किया गया है आगे वह क्रमिक अनशन और आमरण अनशन के साथ-साथ पूर्ण बाजार बंद करने पर विवश होंगे।

उनका कहना है कि सरकार द्वारा आपदा के 9 साल बीत जाने के बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया है जिसके कारण अब उन्हें एक बार फिर आंदोलन पर मजबूर होना पड़ा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।